



सचिवालय
नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर (म.प्र.)
राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार



संतोष सोहगौरा

सदस्य-सचिव

संयुक्त कुलसचिव एवं प्रभारी राजभाषा अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

ई-मेल : tolic.sagar@dhsu.edu.in

दूरभाष : 07582-297118

नराकास कोड : 247

मोबाइल नं. : 9479398600

क्र.: नराकास, सागर/2025/25

दिनांक : 18 जुलाई, 2025

प्रति,

समस्त सम्माननीय सदस्यगण

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर (म.प्र.)

विषय : नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक का कार्यवृत्त।

महोदय/महोदया,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत लेख है कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के तारतम्य में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर की वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक प्रो. नीलिमा गुप्ता, माननीया कुलपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर की अध्यक्षता एवं श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य) भोपाल, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार की विशिष्ट उपस्थिति में दिनांक 18 जून, 2025 (बुधवार) को पूर्वाह्न 11.00 बजे विश्वविद्यालय के रंगनाथन सभागार में सम्पन्न हुई।

उक्त बैठक का माननीया अध्यक्ष महोदया द्वारा अनुमोदित कार्यवृत्त आपकी ओर सूचनार्थ, अभिलेख एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है।

सादर,

संलग्नक : यथोक्त।

भवदीय,

संतोष सोहगौरा 18/07/25

प्रतिलिपि- सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

- माननीया अध्यक्ष, नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं कुलपति, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)।
- श्री अनिल कुमार, उप सचिव (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन) क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), भोपाल (म.प्र.)।
- श्री अजय कुमार झा, उप निदेशक (राजभाषा), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- संयुक्त सचिव (राजभाषा), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- समस्त कार्यालयाध्यक्ष, सदस्य कार्यालय, नराकास, सागर।
- प्रभारी, सूचना प्रौद्योगिकी प्रकोष्ठ, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर - कृपया विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करने हेतु।
- कुलसचिव के निजी सहायक, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)।
- माननीया कुलपति जी के निज सचिव, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)।
- गार्ड फाइल।

‘हिंदी में पत्राचार हो, हिंदी में हर व्यवहार हो, बोलचाल में हिंदी ही अभिव्यक्ति का आधार हो।’



सचिवालय/Secretariat

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर (म.प्र.)
Town Official Language Committee, Sagar (M.P.)



नराकास कोड : 247

ई-मेल : tolic.sagar@dhsu.edu.in

पता: प्रशासनिक भवन, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

दूरभाष : 07582-297118

प्रथम छमाही बैठक (वित्तीय वर्ष 2025-26)

तिथि : 18 जून, 2025

समय : पूर्वाह्न 11:00 बजे

स्थान : रंगनाथन सभागार, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

॥ कार्यवृत्त ॥

राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशों के तारतम्य में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), सागर की वित्तीय वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक प्रो. नीलिमा गुप्ता, माननीया कुलपति, डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय की अध्यक्षता में दिनांक 18 जून, 2025 (बुधवार) को पूर्वाह्न 11:00 बजे विश्वविद्यालय के रंगनाथन सभागार में आयोजित हुई। उक्त बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य) भोपाल, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम नराकास, सागर के सदस्य-सचिव तथा विश्वविद्यालय के संयुक्त कुलसचिव व राजभाषा अधिकारी (प्र) श्री संतोष सोहगौरा ने नराकास, सागर की अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा एवं नराकास, सागर के सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया। तदुपरांत बिंदुवार चर्चा हेतु कार्यसूची समिति के समक्ष प्रस्तुत की।

बैठक का बिंदुवार कार्यवृत्त निम्नानुसार है :-

वंदन, अभिनंदन एवं परिचय

1. शुभारंभ एवं माल्यार्पण

बैठक का शुभारंभ समिति की माननीया अध्यक्ष महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा एवं समिति के सदस्य-सचिव श्री संतोष सोहगौरा द्वारा माँ सरस्वती एवं विश्वविद्यालय के संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर के चित्र पर माल्यार्पण के साथ किया गया।

2. माननीया अध्यक्ष एवं कुलपति महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता का स्वागत।

सदस्य-सचिव श्री सोहगौरा ने समिति को बताया कि राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय की माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता को नराकास,

सागर की अध्यक्षता का दायित्व सौंपा गया है। माननीया कुलपति की अध्यक्षता में यह समिति की प्रथम बैठक है।

समिति के सदस्य-सचिव, श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार एवं समस्त सदस्य कार्यालयों के प्रमुख व प्रतिनिधियों ने नराकास. सागर की बैठक में माननीया कुलपति महोदया का आदर सहित अभिनंदन किया।

3. विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन) का स्वागत।

नराकास, सागर की ओर से समिति के सम्मानित सदस्य एवं केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 04 के प्राचार्य श्री आर.एस वर्मा द्वारा श्री मेहरा जी का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

4. सम्माननीय सदस्य कार्यालयाध्यक्षों का स्वागत एवं परिचय।

सदस्य-सचिव श्री सोहगौरा ने समिति के समस्त-सदस्यों का स्वागत करते हुए सर्वप्रथम माननीया अध्यक्ष महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा का परिचय समिति के समक्ष रखा। तदुपरांत बेहतर समन्वय हेतु सभी कार्यालयाध्यक्षों एवं प्रतिनिधियों का परिचय प्राप्त किया गया। सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों/प्रतिनिधियों ने राजभाषा कार्यान्वयन हेतु किए गए नवाचारों एवं अपने कार्यालय की उपलब्धियों से भी सदन का अवगत कराया।

माननीय अध्यक्ष महोदया प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा ने सदस्य कार्यालयों की सराहना की। उन्होंने समिति के सम्मानित सदस्य क्षेत्रीय भविष्य निधि कार्यालय, सागर के आयुक्त श्री चेतन यादव एवं राजभाषा अधिकारी श्री रामकिंकर सोनी जी को राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 'क' क्षेत्र में राजभाषा में श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन हेतु तृतीय पुरस्कार प्रदान किए जाने पर बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

सदस्य कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन की समीक्षा एवं विचार-विमर्श

5. राजभाषा लघु वृत्तचित्र का प्रदर्शन

बैठक के दौरान राजभाषा विभाग, भारत सरकार के हीरक जयंती वर्ष पर राजभाषा की विकास यात्रा पर केन्द्रित लघु वृत्तचित्र प्रदर्शित किया गया। समिति के सदस्यों ने पूर्ण तन्मयता के साथ वृत्तचित्र का अवलोकन किया। सदस्य-सचिव ने समिति को बताया कि उक्त वृत्तचित्र का निर्माण राजभाषा विभाग, भारत सरकार द्वारा किया गया है।

6. सदस्य कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा।

माननीया अध्यक्ष महोदया की अनुमति से समिति के सदस्य-सचिव संतोष सोहगौरा ने सदस्य कार्यालयों द्वारा प्रेषित राजभाषा की गत छमाही (01 अक्टूबर 2024 से 31 मार्च, 2015 तक) की राजभाषा प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। समीक्षा के मुख्य आधार हिंदी पत्राचार की स्थिति, राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का अनुपालन, राजभाषा नियम 05 का अनुपालन, हिन्दी में मूल पत्राचार का प्रतिशत, हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन, राजभाषा पत्रिका का प्रकाशन एवं हिन्दी दिवस/पखवाड़े का आयोजन रहा। उन्होंने

बताया कि कुल 28 सदस्य कार्यालयों ने निर्धारित समयावधि में अपनी छमाही प्रगति रिपोर्ट सचिवालय को प्रेषित की है। उन्होंने शेष कार्यालयों से अनुरोध किया कि वे भी प्राथमिकता के आधार पर अपनी छमाही प्रगति रिपोर्ट प्रेषित करने का कष्ट करें। समीक्षा के दौरान उन्होंने रिपोर्ट के आंकड़ों की गुणवत्ता एवं विश्वसनीयता हेतु आवश्यक कदम उठाए जाने का निवेदन किया साथ ही राजभाषा कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

सदस्य कार्यालयों द्वारा इंगित बिंदुओं पर यथाशीघ्र कार्यवाही सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की।

7. राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम 2025-26 पर चर्चा।

सदस्य-सचिव ने समिति सदस्यों को संघ का राजकीय कार्य हिन्दी में करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी वर्ष 2025-26 के वार्षिक कार्यक्रम के लक्ष्यों से अवगत कराया तथा उनके अनुपालन हेतु समुचित प्रयास किए जाने का अनुरोध किया।

सदस्य कार्यालयों द्वारा उक्त पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की।

8. राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अनुपालन की स्थिति पर चर्चा।

समिति के सदस्य-सचिव ने बताया कि राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) के अनुसार निम्नलिखित दस्तावेजों को अनिवार्यतः द्विभाषी में जारी किया जाना है -

1. संकल्प, 2. सामान्य आदेश, 3. नियम, 4. अधिसूचनाएं, 5. प्रशासनिक व अन्य प्रतिवेदन, 6. परिपत्र, 7. प्रेस विज्ञप्तियां, 8. संविदा, 9. करार, 10. निविदा सूचना एवं निविदा प्रारूप, 11. ज्ञापन, 12. अनुज्ञप्तियां 13. अनुज्ञा पत्र, 14. नीति संबंधी दस्तावेज।

समस्त सदस्यों ने उक्त नियम का अनुपालन गंभीरता के करने का आश्वासन दिया।

9. सदस्य कार्यालयों में हिन्दी पदों की स्थिति पर चर्चा।

समिति के सदस्य-सचिव ने बताया कि कार्यालयों में राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु राजभाषा विभाग के मानकों के अनुरूप पदों का होना आवश्यक है।

अध्यक्ष महोदया ने सदस्य कार्यालयों के समस्त कार्यालयों के प्रमुखों से राजभाषा संबंधी रिक्त पदों को प्राथमिकता के आधार पर भरने एवं राजभाषा के मानकों के अनुरूप पद सृजित किए जाने पर बल दिया।

10. सदस्य कार्यालयों की वेबसाइट को संवर्धित व द्विभाषी बनाने पर चर्चा।

सदस्य-सचिव ने बताया कि राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार प्रत्येक कार्यालय की वेबसाइट द्विभाषी होनी अनिवार्य है। उन्होंने समस्त सदस्य कार्यालयों से अनुरोध किया कि कार्यालयों की वेबसाइट यथाशीघ्र द्विभाषी में तैयार करा ली जाए तथा उसे नियमित रूप से अद्यतनीकृत किया जाए ताकि राजभाषा नियमों का उल्लंघन न हो।

सदस्य कार्यालयों द्वारा उक्त पर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने पर सहमति व्यक्त की गई।

11. सदस्य कार्यालयों में कम्प्यूटरों पर यूनिकोड के प्रयोग पर चर्चा।

उक्त मद पर चर्चा करते हुए सदस्य-सचिव ने बताया कि वर्तमान में नई पीढ़ी के कम्प्यूटरों पर यूनिकोड में कार्य करने की सुविधा उपलब्ध है। यदि किसी कारणवश किसी कार्यालय के कम्प्यूटरों पर यूनिकोड सुविधा उपलब्ध नहीं है तो उसे तकनीकी विशेषज्ञों के सहयोग से यूनिकोड समर्थित बनाये जाने की आवश्यकता है। कार्यालय यथावश्यकता अपने कार्मिकों हेतु यूनिकोड के प्रयोग पर केन्द्रित कार्यशालाओं का आयोजन भी कर सकते हैं।

सदस्य कार्यालयों ने उक्त पर अपनी सहमति व्यक्त की।

12. हिन्दी संगोष्ठी/कार्यशाला/अतिथि व्याख्यान/प्रतियोगिता इत्यादि के आयोजन पर चर्चा।

सदस्य-सचिव ने बताया कि राजभाषा के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से समय-समय पर हिन्दी संगोष्ठी/कार्यशाला/अतिथि व्याख्यान/प्रतियोगिता इत्यादि के आयोजन कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने सदस्य कार्यालयों को अवगत कराया कि माननीया अध्यक्ष महोदया की अनुमति से उक्त आयोजनों हेतु विश्वविद्यालय के विषय विशेषज्ञों/विद्वानों के अनुभवों का लाभ लिया जा सकता है।

माननीया अध्यक्ष महोदया ने समस्त सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों को आश्वस्त किया कि उक्त आयोजनों हेतु विश्वविद्यालय का सहयोग निरंतर मिलता रहेगा।

13. नराकास, सागर की पत्रिका के आगामी प्रकाशन (प्रवेशांक) पर चर्चा।

सदस्य-सचिव ने बताया कि देश के विभिन्न नराकास द्वारा नियमित रूप से पत्रिका का प्रकाशन किया जाता है। उन्होंने नराकास, सागर के सदस्यों हेतु पत्रिका के प्रकाशन का प्रस्ताव रखा।

माननीया अध्यक्ष महोदया ने प्रस्ताव पर सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि प्रकाशन कार्य हेतु नराकास, सागर के सदस्य कार्यालयों में विशेषज्ञों की एक उप समिति (संपादक मंडल) का गठन किया जाए ताकि पत्रिका प्रकाशन (प्रवेशांक) की प्रक्रिया को गति प्रदान की जा सके।

14. हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा 2025 (14 सितम्बर) के आयोजन पर चर्चा।

सदस्य-सचिव ने समिति को अवगत कराया कि राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम के अनुसार समस्त कार्यालयों में भाषा पर्व हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया जाना आवश्यक है। कार्यालयों की छमाही प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा के दौरान पाया गया कि कुछ कार्यालय किसी कारणवश विगत वर्ष हिन्दी दिवस/हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन नहीं कर सके हैं।

माननीया अध्यक्ष महोदया ने समस्त कार्यालयों से अनुरोध किया कि समस्त कार्यालय वर्ष 2025 के आगामी हिन्दी दिवस का आयोजन गरिमयी ढंग से करें तथा उसकी रिपोर्ट नराकास सचिवालय को प्रेषित करें।

प्रेरणा, प्रोत्साहन एवं आभार

15. गत छमाही में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन सदस्य कार्यालयों का सम्मान।

सदस्य-सचिव ने सदन को अवगत कराया कि गत छमाही (01 अक्टूबर, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक) के दौरान अपने कार्यालय/उपक्रम/बैंक में राजभाषा के प्रभावी

कार्यान्वयन हेतु तीन सदस्य कार्यालयों को (तीन श्रेणियाँ: बैंक, उपक्रम एवं कार्यालय- प्रत्येक से एक) को नराकास, सागर की ओर से 'उत्कृष्टता सम्मान' से पुरस्कृत किया जाना है। पुरस्कार चयन हेतु हिंदी पत्राचार की स्थिति, राजभाषा अधिनियम 1963 की धारा 3(3) का अनुपालन, राजभाषा नियम 05 का अनुपालन, हिन्दी में मूल पत्राचार का प्रतिशत, हिन्दी कार्यशालाओं का आयोजन, राजभाषा पत्रिका का प्रकाशन एवं हिन्दी दिवस/पखवाड़े का आयोजन आदि को आधार बनाया गया। उन्होंने बताया कि माननीया अध्यक्ष महोदया की अनुमति से नराकास, सागर की ओर से राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन करने वाले सदस्य कार्यालयों को प्रत्येक छमाही बैठक के दौरान 'उत्कृष्टता सम्मान' से पुरस्कृत किया जायेगा।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर ने माननीया अध्यक्ष महोदया, विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा एवं सदस्य-सचिव की सहमति से निम्नलिखित कार्यालयों को 'उत्कृष्टता सम्मान' से पुरस्कृत किया गया-

1. बैंक श्रेणी - सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया, सागर
2. उपक्रम श्रेणी - पावरग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लि., बीना एवं
3. कार्यालय श्रेणी - पीएमश्री केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक- 01, छावनी, सागर।

समस्त सदस्यों ने विजेता कार्यालयों को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

16. उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संबोधन, प्रेरणा एवं समीक्षा।

नराकास बैठक में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, उप निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय(मध्य), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने सदस्य कार्यालयों को राजभाषा नियमों से अवगत कराया तथा उनके प्रभावी कार्यान्वयन हेतु महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि राजभाषा कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार की नीति प्रेरणा व प्रोत्साहन की नीति है। माननीया अध्यक्ष महोदया का आभार व्यक्त करते हुए श्री मेहरा ने कहा कि आपके यशस्वी नेतृत्व में नराकास, सागर निःसंदेह ही भारत की अग्रणी नराकास के रूप में अपनी पहचान बनायेगी। उन्होंने समस्त कार्यालयों से राजभाषा नियमों एवं राजभाषा के वार्षिक कार्यक्रम के शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का अनुरोध किया।

17. माननीया अध्यक्ष महोदया का उद्बोधन।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि राष्ट्र निर्माण हेतु स्वभाषा का सबल होना आवश्यक है। हम अपनी भाषा का जितना अधिक प्रयोग करेंगे यह उतनी ही सफल होगी। राजभाषा की समृद्धि कि अधिकाधिक प्रशासनिक व्यवहार हिन्दी में ही हो। उन्होंने राजभाषा कार्यान्वयन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए सदस्य कार्यालयों द्वारा समन्वित प्रयास किए जाने पर बल दिया।

माननीया कुलपति महोदया ने समस्त कार्यालय प्रमुखों से राजभाषा विभाग द्वारा जारी दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने का आवाहन किया ताकि संसदीय राजभाषा समिति एवं अन्य संस्थानों द्वारा किए जाने वाले राजभाषा संबंधी निरीक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति का सामना न करना पड़े। उन्होंने सदस्य कार्यालयों से

विश्वसनीय आंकड़ों से तैयार की गयी रिपोर्ट को यथा-समय प्रेषित करने, बैठकों में कार्यालय प्रमुखों की उपस्थिति अनिवार्यतः सुनिश्चित करने, तिमाही प्रगति रिपोर्ट को नियमानुसार राजभाषा विभाग की सूचना प्रबंधन प्रणाली के माध्यम से ऑनलाइन प्रेषित करने तथा उसकी प्रतिलिपि क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, भोपाल एवं नराकास सचिवालय, सागर को प्रेषित करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि कम कर्मिकों वाले सदस्य कार्यालय राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन एवं कार्यशालाओं/प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु आपस में समन्वय स्थापित कर अन्य सदस्य कार्यालयों का भी सहयोग ले सकते हैं।

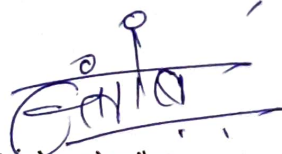
माननीया अध्यक्ष महोदया ने राजभाषा कार्यान्वयन पर सार्थक चर्चा एवं विचार-विमर्श हेतु उपस्थित समस्त सदस्य कार्यालयों के प्रमुखों का आभार व्यक्त किया।

18. सदस्य-सचिव महोदय द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं समापन।

बैठक के अंत में सदस्य-सचिव संतोष सोहगौरा ने समिति की माननीया अध्यक्ष प्रो. नीलिमा गुप्ता, विशिष्ट अतिथि श्री नरेन्द्र सिंह मेहरा, समस्त सम्मानित सदस्यों, कार्यालय प्रमुखों एवं राजभाषा अधिकारियों का आभार ज्ञापन किया। उन्होंने बताया कि नराकास, सागर की आगामी बैठक नवम्बर माह 2025 में आयोजित की जायेगी।

इस प्रकार सौहार्दपूर्ण वातावरण में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, सागर की वर्ष 2025-26 की प्रथम छमाही बैठक सम्पन्न हुई।

संलग्नक : उपस्थिति पत्रक



(संतोष सोहगौरा)

सदस्य-सचिव

नराकास, सागर

संतोष सोहगौरा

Santosh Sohgaure

सदस्य-सचिव / Member-Secretary

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति

Town Official Language Implementation Committee

सागर (म.प्र.) / Sagar (M.P.) 470003



(प्रो. नीलिमा गुप्ता)

अध्यक्ष

नराकास, सागर

प्रो. नीलिमा गुप्ता

Prof. Neelima Gupta

अध्यक्ष / Chairperson

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति

Town Official Language Implementation Committee

सागर (म.प्र.) / Sagar (M.P.) 470003